Title: Need to address the issues pertaining to Akashvani Kendra, Pauri, Uttarakhand.-laid

श्री तीरथ सिंह रावत (गढ़वाल): मैं सूचना एवं प्रसारण मंत्री जी का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र गढ़वाल के पौड़ी आकाशवाणी केंद्र की ओर आकर्षित करना चाहता हूं । उत्तराखंड और विशेष रूप से पहाड़ में निवास करने वाली ग्रामीण जनता आकाशवाणी के माध्यम से मनोरंजन के साथ सरकार की योजनाओं और नीतियों को जान सके इसी उद्देश्य अनवरत रूप से आकाशवाणी पौड़ी केंद्र का संचालन हो रहा है । लेकिन वर्तमान समय में कुछ संसाधनों जैसे बजट की कमी, स्टाफ की कमी एवं ट्रांसमीटर की सीमित क्षमता की कमी के कारण पौड़ी से बाहर अन्य जनपदो में अपनी पहचान को खोता जा रहा है । विभागीय उदासीनता से आज पौड़ी केंद्र को रिले बनाए जाने की तैयारी की जा रही है । जिससे न केवल हम बल्कि केंद्र के कार्यक्रमों से जुड़ा श्रोता वर्ग आहत है । यह केंद्र केवल जीविकोपार्जन मात्र का ही केंद्र नहीं है, अपितु इससे हर कर्मी की भावनाएं भी जुड़ी हुई है ।

आकाशवाणी पौड़ी की क्षमता व कार्यक्रमों को विस्तार देने के लिए सरकार को निम्नलिखित ठोस कदम उठाने होंगे:

(1) सर्वप्रथम आकाशवाणी पौड़ी में लगाए गए एक किलो वाट (मीडियम क्षमता के ट्रांसमीटर) के स्थान पर 10 किलो वाट क्षमता का एफएम ट्रांसमीटर जो डिजिटल तकनीक से लैस हो, लगाया जाए जिससे कि अधिकांश ग्रामीण जनता आकाशवाणी पौड़ी के मनोरंजक व शिक्षाप्रद कार्यक्रमों का लाभ उठा सके ।

(2) आकाशवाणी केंद्र पौड़ी में कार्यक्रम हेतु आवंटित बजट को धीरे-धीरे कम किया जा रहा है जिससे न तो यहां की प्रतिभाओं को ही अवसर मिल पा रहा है और ना ही कार्यक्रमों को विस्तार केंद्र के कार्यक्रमों की बजट को बढ़ाने की कृपा करें ताकि केंद्र के अस्तित्व को बचाया जा सके ।

(3) आकाशवाणी पौड़ी में दो पालियों में प्रसारण शीघ्र आरंभ किया जाये । और "प्रमुखता के तौर पर पूर्व में कार्य कर रहे आकस्मिक उद्घोषक/ कंपीयर्स को अधिक से अधिक अवसर दिए जाएं ।

(4) आकाशवाणी केंद्र पौड़ी में वर्तमान में एक ही प्रसारण सभा का संचालन होता है किंतु आए दिन केंद्र सरकार की योजनाओं पर आधारित कार्यक्रमों, प्रधानमंत्री जी की मन की बात कार्यक्रम सहित विभिन्न विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण भी विशेष प्रसारण सभा के माध्यम से पौड़ी केंद्र द्वारा एक ही प्रसारण सभा की फीस/मानदेय की एवज में केवल मौखिक आदेश पर और संचित सूचना द्वारा करवाया जाता है । जिससे आकस्मिक उद्घघोषकों को आर्थिक और मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ती है । इस व्यवस्था पर शीघ्र रोक लगाते हुए पूर्व की भांति विशेष प्रसारण सभा की फीस का भुगतान आकस्मिक उद्घघोषको को किया जाये ।

मुझे उम्मीद है कि मंत्रालय उचित कार्रवाई करेगा और आकाशवाणी पौड़ी के बेहतर भविष्य के लिए सार्थक पहल करेंगे ।